आंगनबाड़ी में 53 हजार भर्तियों का रास्ता साफ

लखनऊ। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के रिक्त करीब 53 हजार पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। मानदेय के आधार पर होने वाली इन पदों पर भर्ती के लिए नये सिरे से चयन प्रक्रिया का निर्धारण किया गया है। शासन ने शुक्रवार को शासनादेश जारी कर दिया है। पिछले कई महीनों से चयन प्रक्रिया का निर्धारण न होने की वजह से भर्ती की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पा रही थी। अब जल्द ही आईसीडीएस निदेशालय द्वारा इन तीनों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बता दें कि पिछले साल से लेकर अब तक विभाग में करीब 30 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रीओं को 62 साल की आयु पूरी करने पर सेवानिवृत्त कर दिया गया है। इसके अलावा करीब 23 हजार पद पहले से ही खाली थे। लेकिन

डीएम की देखरेख में गठित चयन समिति करेगी भर्ती

आईसीडीएस निदेशालय डीएम को जल्द भेजेगा रिक्तियों का ब्योरा

नये सिरे से चयन प्रक्रिया का प्रारूप तय करने की कवायद के चलते इन पदों पर भर्ती नहीं हो पा रही थी। हालांकि शासन स्तर से चयन प्रक्रिया का प्रारूप करीब चार महीने पहले से ही तैयार कर लिया गया था, लेकिन उच्च स्तर पर निर्णय न होने की वजह से मामला लटका हुआ था।

बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की अपर मुख्य सचिव एस. राधा चौहान की ओर से नये चयन प्रक्रिया के संबंध में जारी शासनादेश के मुताबिक सभी जिलों में डीएम की देखरेख में गठित चयन समिति द्वारा तीनों पदों पर भर्ती की जाएगी। निदेशक स्थानीय निकाय की ओर से जल्द ही जिलेवार रिक्तियों का ब्योरा डीएम को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। ताकि तीनों पर रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जा सके। चयन समिति की संस्तुति के बाद डीएम द्वारा अनुमोदित करने के बाद भर्ती प्रक्रिया पूरी मानी जाएगी। ब्यूरो

आयसीमा बढ़ी

ग्रामीण क्षेत्रों के अभ्यर्थियों के लिए सालाना आयसीमा 46 हजार 80 रुपये निर्धारित की गई है, जो पहले 18 हजार थी। वहीं, शहरी क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए भी आयसीमा 20 हजार से बढ़ाकर 56 हजार 460 रुपये सालाना कर दी गई है। नई प्रक्रिया में शैक्षिक व अन्य अर्हता में कोई बदलाव नहीं किया गया है।